D71

डायमण्ड कॉमिक्स

फौलादी हाथ

अजनबी ग्रह में

डायमंड पाकेट बुक्स

हास्य रस की अनूठी अनमोल पुस्त

हुल्लड़ के कहकहे	हुल्लड़ मुरादाबादी	
जय बोलो बेइमान की	काका हाथरसी	
काका काकी की नोंक झोंक	काका हाथरसी	
काका के कारतूस	काका हाथरसी	
काका के चुटकुले	काका हाथरसी	4.00
काका काकी के लव लेटर्स	काका हाथरसी	4.00
काका की फिल्मी पैरोडियां	काका हाथरसी	2.00
फक्कड़ का धमाका	फक्कड़ मुरादाबादी	4.00
फक्कड़ की फुलझड़ियां	फक्कड़ मुरादाबादी	5.00
हुड़दंग के हंसगुल्ले	हुड़दंग नगीनवी	4.00

जोक्स

पति पत्नी के जोक्स	2.00
प्रेमी प्रेमिकाओं के जोक्स	4.00
हुल्लड़ के जोक्स	2.00
काका के चुटकले	4.00
प्रेमी प्रेमिकाओं की नोंक झोंक	4.00
टाप जोक्स	4.00
मार्डन जोक्स	4.00
चटपटे जोक्स	2.00
चुने हुये जोक्स	2.00
बच्चों के जोक्स	2.00
अकबर बीरबल के जोक्स	2.00
बड़े आदमियों के जोक्स	2.00
पति पत्नी की नोंक झोंक	4.00
फिल्मी जोक्स	4.00
मिडनाईट जोक्स	4.00

अपने निकट के बुक स्टाल से खरीदें या हमें लिखें।

डायमंड कामिक्स प्रा. लि. 2715 दरिया गंज, नई दिल्ली-110002

© प्रकाशकाधीन

प्रकाशन : डायमंड कामिक्स प्रा० लि० 2715 दरियागंज, नई दिल्ली-110002

सम्पादक : गुलशन राय

मुद्रक : [illegible] आफसैट प्रिन्टर्स, 81, ए टाईप शेड, जोखला चरण डिवीजन, नई दिल्ली

D 71 New India Comics Store [illegible] Road, [illegible]

फौलादी सिंह अजनबी ग्रह में

फौलाद और लम्बू दोनों ही कमरे में गुमसुम बैठे थे। कोई किसी से बात तक नहीं कर रहा था।

यार फौलाद! आज का दिन तो बड़ा मनहूस जा रहा है। बहुत बोर हो रहे हैं यार। कोई काम नहीं सूझ रहा।

मैं तो बोर नहीं हो रहा। तू मेरी जेब में पड़ा-पड़ा सोता रहता है, तब बोर नहीं होता?

लम्बू उचक कर फौलाद के कंधे पर जा चढ़ा।

भैया फौलाद! आज मुझे कोई अच्छी सी पिक्चर दिखा दे न!

अच्छा चल बेटा, तू भी क्या याद करेगा! तेरा टिकट तो वैसे भी नहीं लगता।

फौलाद की मोटर साइकिल फर्राटे के साथ देश के सबसे बढ़िया सिनेमा घर 'मेट्रो' की ओर दौड़ पड़ती है।

...ी फौलाद को कुछ विचित्र सा अनुभव ...ता है, और वह बेचैन हो उठता है।

लगता, मुझे भी यहाँ ...कुछ अजीब सा ...अनुभव हो रहा है। ...ई न ई अजीब सी घटना ...होने की आशंका ...है।

लो, अभी मुझे समझा रहा था और अब खुद डर रहा है। दरअसल इस फिल्म का म्यूजिक इतना डरावना है कि रोंगटे खड़े हो रहे हैं।

टिकट लेकर वे लोग सिनेमा हाल में बैठते हैं। और एक विचित्र अंग्रेजी फिल्म शुरू होती है - भयानक!

MATRO

ओह! कितनी डरावनी पिक्चर है। श्मशान घर में मुर्दा चल रहा है।

...ी एक भयानक के पर्दे पर एक अजीब ...काला का हट्टा-कट्टा आदमी उभरता है ...के साथ एक हृष्ट पुष्ट घोड़ा ...। वह आदमी दर्शकों की ओर ...कर मुस्करा रहा था.... ...ी वह आदमी बोला....

मेरा घोड़ा बहुत चंचल है। इस पर काबू पाना आसान नहीं है यदि आप में से कोई इसे काबू में करने की हिम्मत करे तो मैं उसे परदे के बाहर!

फौलाद लम्बू का कान पकड़ कर खींचता है।

अबे, मेरे साथ रहता है, और इन बेजान चीजों से डरता है।

अरे, कौन डरता है यार! मैं तो तुझे बात बता रहा हूँ।

...ई क्या फिल्म है! इतनी देर ...ी भयानकता के बाद अब जाकर ...मुख्य अभिनेता आया है। मजाक ...ी क्या अजीब है! दर्शकों से ...ोड़ा परदे के बाहर भेजने की ...त कर रहा है।

मेरी! फिल्म से अगर यह घोड़ा कूद कर बाहर आ जाय तो बस, मजा आजाय।

क्या बेसिर पैर की मजाक करते हो। आखिर फिल्म फिल्म होती है। कहीं यह सम्भव है।

तभी वह विचित्र आदमी घोड़े को चारों ओर गोल घेरे में दौड़ाने लगा।

देखो देखो! मेरा घोड़ा चक्कर काट रहा है रिंग में। यह अचानक कहीं पर्दे से बाहर निकल जाय तो ध्यान रखिये इसे सम्भालना मुश्किल होगा हाँ... हुर्रे... हुर्रे... और तेज... मेरे टाइगर...

और फौलाद को कोई अदृश्य शक्ति का अनुभव हो रहा था। और... लम्बू परदे पर हंसोड़ की गप्पी बातें सुन सुन कर हंसे जा रहा था।

लम्बू मेरे शरीर की चेतना मुझे कुछ विचित्र संकेत दे रही हैं। मुझे सावधान हो जाना चाहिए।

तू ये क्या बेकार की बातें लेकर बैठ गया। देख तो जरा इस हसोंड़ का चेहरा देख कर ही हंसी आ रही है। तिस पर हंसाने का यह नया तरीका।

लेकिन तभी घोड़े ने अचानक रुक कर अपना एक पैर पर्दे के बाहर निकाल कर मंच पर रख लिया।

घोड़े ने दूसरा पैर भी बाहर निकाला तो फौलाद अपनी जगह पर उछल पड़ा। लम्बू उछल कर उसकी जेब में जा छुपा।

यह क्या! घोड़ा तो परदे से नाकायदा बाहर आ रहा है। इसे दुश्मन काबू में करना चाहिए वरना कहीं यह आगे की सीट वालों को न कुचल दे... पर... पर क्या यह सम्भव है।

मुझे तो विश्वास नहीं हो रहा। कहीं फिल्म की तस्वीरें भी सच्चा रूप ले सकती हैं। असंभव!

तभी वह घोड़ा उछल कर पूरा बाहर आ जाता है। और स्क्रीन के सामने बने मंच पर कुलांचे भरने लगता है। फौलाद उसकी ओर तेजी से भागता है।

जैसे ही घोड़े ने मंच पर कुलांचे भरना शुरू कर दिया। लोगों में भगदड़ मच गयी।

बापरे! यह क्या हुआ?

भागो जल्दी! यह क्या बला है। तस्वीर जिन्दा होकर बाहर आ गयी..... ओह! चमत्कार पर... भयानक.... भागो!

घोड़े पर सवार हो गया। घोड़ा तभी से उछल-उछल कूदना लगी तो मैदान में अफरा-तफरी मच गयी। घोड़े पर वह हंसोड़ और जोर से हंसा रहा था।

गुड़ने पटकने की कोशिश कर रहा है!

तभी फौलाद उछल कर मंच पर चढ़ जाता है। और घोड़े की लगाम थाम लेता है।

यह तो सचमुच एक घोड़ा है एक भयानक सत्य!

फौलाद को संघर्ष करते देख लोगों ने भागना बन्द कर दिया और एक तरफ खड़े हो यह अजब तमाशा देखने लगे।

वाह! क्या वीर युवक है। प्रेत घोड़े को काबू में कर लिया।

लगाम पकड़ते ही घोड़ा दो पैरों पर खड़ा होकर उछलने लगा। पर फौलाद ताकत से लगाम पकड़े रहा।

उछल कर इसकी पीठ पर बैठ जाऊँ तभी काबू में आ पायेगा।

तभी घोड़े ने परदे की ओर छलांग लगायी और देखते ही देखते वह पर्दे में घुसता चला गया। अश्व ही पीठ पर सवार फौलाद भी पर्दे में समा गया।

और देखते ही देखते घोड़ा और फौलाद सिनेमा के परदे में समा गये घोड़ा दूर भागता ही गया।

अरे! यह घोड़ा तो उस आदमी को परदे में खींच कर ले गया! ओह भगवान!

इंसपेक्टर! जल्दी चलिये... इस सिनेमा घर के पर्दे में एक घोड़ा बाहर निकला और एक व्यक्ति को ले भागा

घोड़ा परदे के दृश्य में दूर भागता ही जा रहा था। और सिनेमा हाल में खड़े लोग इस आश्चर्यजनक दृश्य को आंखें मल मल कर देख रहे थे।

भागो!.... इस झूलहे सिनेमा घर से.... भागो!

यह क्या हो गया! विश्वास नहीं आता।

नहीं इन्सपेक्टर! ये सज्जन सही कह रहे हैं। हमारे शहर के जाने माने बहादुर फौलाद को लेकर वह घोड़ा फिर पर्दे में घुस गया और दूर भागता हुआ गायब हो गया।

क्या ये सिर पैर की बातें करते हैं?

और लोग डर के मारे तेजी से हाल से बाहर भागते हैं।

इंसपेक्टर अपने सिपाहियों को आदेश देता सिनेमा घर के हाल की ओर लपकता है।

सिपाहियो! जल्दी आओ मेरे साथ।

परदे के सामने बने मंच पर जाकर इन्सपेक्टर देखता है तो वहाँ छायी मिट्टी की हल्की परत में घोड़े के पैरों के निशान दिखाई पड़ते हैं।

मंच पर घोड़े के पैरों के निशान! तो क्या यह घटना सच है।

उसी समय वो लोग पर इस घटना की खबर मिलती है।

हलो.... मैं बोल रहा हूँ.... क्या! सिनेमा के पर्दे से घोड़ा बाहर आकर फौलाद को ले गया। क्या बकवास है!

हाँ इंसपेक्टर! इस घटना को एक डेढ़ हज़ार दर्शकों ने देखा है।

मैं अभी प्रिन्ट विशेषज्ञों को बुलवा कर जाँच करवाता हूँ।

आप इसे कुछ भी समझें, पर यह घटना घटी है.... आप फौरन आ जाएं।

मैं... मैं अभी आता हूँ।

फिर तो वहाँ कई विशेषज्ञ, वैज्ञानिक बुलवाये गये जिन्होंने अपनी जाँच पड़ताल से पाया कि यह अजीबो गरीब घटना सही है।

यह अचम्भित कर देने वाली घटना अवश्य घटी है पर यह किसने और कैसे किया. यह अपने पृथ्वी के विज्ञान से परे की बात है। फिलहाल।

अ. गोल सिनेमा घर के मंच पर वैज्ञानिकों के साथ।

आप लोग ठीक कहते हैं। जरूर यह किसी बाहरी दुनिया का काम है। फौलाद और लम्बू एक अदृश्य शक्ति के शिकार हुये हैं। मैं अपनी प्रयोगशाला में जाकर अदृश्य तरंगों की जांच कर पता लगाने की कोशिश करता हूँ। जाने फौलाद का क्या हुआ होगा।

AZAD BOOK DEPOT

और उधर अंतरिक्ष के एक ग्रह में एक विचित्र विशाल यंत्र में से किरणों और तरंगों के सम्मिलन से फौलाद का शरीर आकार लेने लगता है।

यंत्र के आसपास कुछ विचित्र किस्म के आदमी से कुछ छोटे कद के मनुष्य यन्त्र को कन्ट्रोल कर रहे थे।

बहुत खूब! तरंगों के माध्यम से कहीं भी प्रवेश करने और कुछ भी उठा लाने का हमारा प्रयोग सफल रहा।

और पृथ्वी के इस वासी से हमें पृथ्वी को समझने में काफी मदद मिलेगी। यह पृथ्वी का जीव बहुत तेज है।

इसे हीट देकर होश में लाओ। फिर सम्राट गराना के सामने पेश करो।

ऐसा ही होगा!

फौलाद के शरीर को एक बड़े यन्त्र में से बाहर निकाला जाता है।

पांच पांच एक हीट पहुंचा दो।

कुछ देर बाद उसे यन्त्र में से निकाल लिया जाता है।

अब यह होश में आ जायेगा।

और कुछ समय बाद फौलाद अपनी जगह पर उठ कर बैठ जाता है।

मैं कहां आ गया! अरे! ये कैसे जीव हैं।

ओह! यह होश में आगया! हमारा प्रयोग सफल रहा!

आओ कोरदा, इससे बातें करें। बड़ा मजा आएगा!

हमारे साथ आओ, हम तुम्हें अपने विज्ञान की तरक्की के कुछ नमूने दिखायेंगे।

वे दोनों फौलाद के पास आकर खड़े हो जाते हैं।

मेरा नाम फौलाद है। तुम लोग कौन हो? मैं कहाँ हूँ?

क्या नाम है तुम्हारा यूरेगा वासी!

ये दोनों फौलाद को एक बड़े मकान में ले जाते हैं।

यह देख रहे हो?

तुम अपने यूरेगा यानी पृथ्वी से लाखों मील दूर हो। हमने अपनी तरंगों के सहारे तुम्हें यहाँ खींच लिया। हमारे नये उपकरण का प्रयोग सफल रहा।

क्या तुमने मुझे तरंगों के माध्यम से लाखों मील दूर खींच लिया!

हाँ यह एक मशीन है।

यह हमारी गाय है। हम इससे एक समय खुराक खिलाते हैं। यह हमें सुबह शाम दस-दस किलो दूध देती है।

उस जीव ने आगे बढ़ कर एक बटन दबाया और एक उभरे हुये पाइप के नीचे बर्तन लगा दिया। कुछ ही क्षणों में पाइप से दूध निकलने लगा।

देखो हमारी यह गाय [illegible] बूढ़ी नहीं होती और न मरती है। और देखो, आओ मेरे [illegible]

हमारी पैदावार का विज्ञान देखो। ये बीज मैं अभी डालता हूँ।

उसी हाल में एक ओर जमीन पर मिट्टी बिखरी थी। उसने जेब से कुछ दाने निकाले।

उसने मिट्टी में बीज डाल दिये। फिर एक शीशी से दवा उन पर छिड़क दी।

इस दवा के पड़ते ही पौधे उग आयेंगे।

और [illegible] कुछ ही दिनों में वहाँ कई बौने किन्तु [illegible] पेड़ [illegible] उग आए...

उनमें फल लगे थे।

दूसरे जीव ने आगे बढ़ कर फल तोड़ लिया।

यह लो दोस्त! चख कर देखो।

फौलाद फल खाता खाता उनके पीछे पीछे चल दिया।

हमारे खेतों में मिनटों में ही फसल लहलहाने लगती है।

और एक हम हैं जो महीनों तक खेत जोतते हैं। पानी देते हैं कड़ी मेहनत करते हैं तब कहीं जाकर फसल तैयार होती है।

ये गायें इन लोगों ने मशीनी क्यों बना रखी हैं। क्या असली गाय यहाँ नहीं होती ?

हमारे यहाँ की गायों में एक खतरनाक बीमारी ऐसी फैली कि सभी गायें नष्ट हो गयीं। जो बचीं उनसे गुजारा होना मुश्किल था तब हमने मशीनी गाय का निर्माण किया। आओ आगे चलें।

एक जगह होती होती बहुत सारी मशीनें रखी हुयी थीं।

ये नन्ही नन्हीं मशीनें देख रहे हो ये हमारी मशीनी गायों के बच्चे हैं। बड़े होने पर ये भी दूध देने लगेंगे।

क्... क्या ? यानी मशीनी गायें बच्चे भी देती हैं

हाँ इसमें आश्चर्य क्या है! अब हम इन्हीं की संख्या बढ़ा रहे हैं। ताकि न ये मरें न बीमार हों। आओ चलें।

ओं कहीं सपना तो नहीं देख रहा हूँ

मोहन ये [illegible] है [illegible] पहियों की जगह पैरों का प्रयोग किया है ईंधन भी केवल एक बार डालना पड़ता है

सवारी करते हैं, तुम्हारी यह बात ठीक है। पर ये जानवर नहीं हमारे यहाँ की कारें हैं।

क्या इनमें ईंधन खर्च नहीं होता या कोई जादू है।

ईंधन खर्च तो होता है पर वही जला हुआ ईंधन दुबारा शुद्ध कर दिया जाता है। यह व्यवस्था इनको मशीनों में कर दी गयी है

हमारा मतलब है जो ईंधन जलता है वह कार की मशीनों के अन्दर जाकर फिर से शुद्ध बन कर काम आ जाता है।

तुम ठीक समझे! यह क्रम चलता रहता है और नया ईंधन डालने की जरूरत नहीं पड़ती।

और हमारे यहाँ की गाड़ियां तो बेहद साब इन्धन फूंक डालती हैं। फिर भी प्यासी की प्यासी।

क्या सोच रहे हो? आओ हमारे साथ

इसका मतलब है तुम्हारे यहाँ स्कूल कालेज नहीं होते?

नहीं नहीं। वे सब पुरानी चीजें पढ़ गयी हैं।

फौलाद को लेकर वे दोनों जोव एक बड़े कमरे में दाखिल होते हैं। जहां छोटे छोटे बहुत सारे पिंजरे रखे हुये थे।

आओ, हमारी शिक्षण पद्धति के बारे में भी जान लो!

का पाठ भाषी के भाग में याद होता जाता है?

हाँ, हमेशा के लिये, कोर्स समाप्त होने पर टेप निकाल लिया जाता है।

पहला जीव एक डिब्बे में से एक टेप निकालता है।

विभिन्न विषयों में डिग्री पाने के लिए ऐसी विभिन्न टेप होती है। जिन्हें हम विद्यार्थियों के दिमाग में उतने ही वर्षों के लिये फिट कर देते हैं जितने वर्षों का कोर्स होता है। टेप धीरे धीरे चलता रहता है और विद्यार्थी सोते जागते खेलते कूदते शिक्षा पाता रहता है।

हमारे यहाँ की मशीनें भी अपनी खराबी खुद ही डॉक्टर को बता देती हैं ताकि उसे जांच करने में समय बरबाद न करना पड़े।

आओ, अब बाकी चीजें हम अपने समाज के यहाँ दिखायेंगे तुम्हें, चलो कार में चलें।

और वे बाहर निकलकर एक जानवर जैसी शक्ल की कार में बैठ जाते हैं। और कार अपने चारों पैरों से चौकड़ी भरने लगती है।

वाह! यह तो हमारे यहां की पहेली वाली कार से भी तेज दौड़ती है! फिर ईंधन का खर्च भी नहीं।

क्या सोच रहे हो फौलाद!

मैं सोच रहा हूँ कि यह सब होते हुये भी तुम लोग मुझे यहां क्यों लाए हो?

वह भी जान जाओगे।

...ओ! यूरेगावासी, ...यहां कैसा लगा?

...ो सचमुच ...रक्की ...है ...ान में

दरअसल हमें भौतिक कृषि और रसायनिक विज्ञान में सफलता मिली पर औषध और मानव शरीर विज्ञान में हम बहुत असफल रहे हमारे सभी लोग दुबले पतले हैं। हम उनके खराब भागों को बदल देते है पर अच्छे पुष्ट और बलवान नहीं बना सकते।

हो सकता है यहाँ का वातावरण इसके लिये अनुकूल न हो। पर यह बताइये आपने मुझे यहां क्यों बुलवाया है।

इसका उत्तर हम कल अपने विज्ञान कक्ष में ही आकर देंगे कोशबों, इन्हें वापस ले जाओ हम कल वहीं आएंगे। इन्तजाम रखना।

और वे फिर वापस कार में लौट पड़ते हैं। फौलाद विचारों में डूबा हुआ था।

जाने ये लोग मुझसे क्या चाहते हैं।

[illegible] प्रयोगशाला में ऐसे [illegible] शीघ्र ही धरती से [illegible] ये आने [illegible] तरंगों [illegible] देंगे।

[illegible] उनका [illegible] किसी का [illegible] का मुकाबला तो नहीं कर पायेंगे।

और उधर पृथ्वी पर - फौलाद के इस तरह गायब हो जाने से तहलका मचा हुआ था वैज्ञानिक तरह तरह की अटकलें लगा रहे थे। डा जॉन भी परेशान थे।

महोदय, मेरे ख्याल से ये सब अदृश्य तरंगों के सहारे ही संभव हुआ होगा। ठीक वैसे ही जैसे टी.वी. रडारियो से अदृश्य तरंगें वायुमंडल से चल कर टी.वी. सैट पर आकर चित्र बनाती हैं। यह चमत्कार भी कुछ ऐसा ही था, जो इससे भी बढ़ कर था। अर्थात बेजान नकली चित्र वास्तविकता से बढ़ कर दिए गये निर्देशों का पालन भी करते हैं। पर यह... हमारे विज्ञान से सैकड़ों वर्ष विकसित विज्ञान का उदाहरण था।

फिल्म का नकली घोड़ा परदे से बाहर आया और फौलाद को बिठा कर फिर पर्दे में घुस गया, और और गायब। कुछ समझ में बात आती नहीं कितना आश्चर्य जनक। कितनी अविश्वसनीय घटना।

[illegible] शुभ उद्देश्य [illegible] के बारे में यह पता [illegible] लगाना है कि वे किरणें [illegible] से भागती हैं। ताकि [illegible] के ठिकाने का [illegible] लगाया जा सके। [illegible] पृथ्वी तथा ग्रह की [illegible] का पता लगते ही [illegible] फौलाद से सम्पर्क [illegible] स्थापित कर सकता हूं।

ओ नान, यह सब आपके ही बस की बात हो सकती है। आप ही कोई अजूबा कर दिखा सकते हैं। अच्छा, अब लंच कर लिया जाय।

[illegible] लोग लंच [illegible] पर मेरी [illegible] प्रयोगशाला में आ जाइए ताकि [illegible] अन्य महत्वपूर्ण बातों पर [illegible] विचार किया जा सके।

आप यदि भूखे रहेंगे तो इस आमले को कैसे सुलझा पायेंगे। खैर मैं आपके लिये फलों का रस निकलवा देता हूँ।

प्रो॰ जॉन अपनी प्रयोगशाला में आकर अपना टी॰ वी॰ आन कर देते हैं।
टी॰ वी॰ खोल दूं, क्योंकि संभव है, वे विशेष तरंगें सिनेमा या टी॰ वी॰ के चलते चित्रों को माध्यम बनाती हैं।
डॉ॰ जॉन अपने कुछ उपकरणों को भी सेट करते हैं। टी॰ वी॰ पर इस समय कोई खेल दिखाया जा रहा है।
मैं टी॰ वी॰ की अदृश्य तरंगों के साथ कुछ प्रयोग करके देखूं कि क्या प्रतिक्रिया होती है।
यदि मैं अपने उपकरण की मदद से टी॰ वी॰ के चित्र को नष्ट भी विचलित कर सका तो इस प्रयोग में मैं भी नाम कमा लूंगा।
डॉ॰ जॉन उपकरण की सेटिंग में उलझे रहे।
फौलाद ने लम्बू के मुंह पर कुछ पानी के छींटे मारे तो लम्बू ने आंखें खोल दीं।
ओह! यह तो बिल्कुल ढीला हो गया।

लम्बू, शुक्र है, तू होश में आ गया जाने कितने समय से तू मेरी जेब में बेहोश पड़ा था।

अच्छा हो... हाँ अब कुछ ... आ रहा है। सिनेमा का वह घो... परदे से बाहर निकला और और

...ी फ्लैट से यहा... ...या... तो यही समझा था। ...ये सफाई ... है। अब ... कैसे?

पहले इनके इरादे तो भा... फिर पता करें कि ये हमें यहा... ...या... लाये और हमसे क्या चाहते हैं।

और उस घोड़े के सहारे हम एक अजनबी ग्रह में आ गये हैं। यहाँ की हर चीज विचित्र है जानवर मशीनी, पैरों वाली कारें, ... और जाने क्या क्या।

अच्छा! विचित्र ग्रह है। पर हमें यहा क्यों लाया गया है और .... और कुछ खाने को तो दो बड़ी भूख लगी है।

...ी बाहे ऊपर चढ़ाता है।

अरे, तू चिन्ता मत कर। मैं इन्हें देख लूँगा

नहीं लम्बू यह सोचने की बात है। जबतक इनके इरादों का पता नहीं लग जाता तू इनसे छिपा ही रह। तू मेरी जेब में कृपा कर वहीं से सारी बातें सुनता समझता। इन्हें यही पता रहे कि मैं अकेला हूँ।

फौलाद फलों की डिश लम्बू की ओर खिसका देता है। लम्बू छोटे फलों पर टूट पड़ता है।

हमें ये लोग सिनेमा के परदे के चलते फिरते घोड़े के माध्यम से यहाँ ले आए। कितनी विचित्र बात है।

...क है बन्धु! ...ी शुरू में ही ...ा फंस गये तो गड़बड़ हो जायेगी।

चल अब जेब में आकर सो जा। मुझे भी नींद आ रही है।

सुबह होते ही दो जीव फौलाद के कमरे में आते हैं फौलाद पहले से ही जगा था और बिस्तर पर बैठा था

अरे! तुम तो पहले से ही नंगे हो!

फौलाद पलंग से उठता है

बल्कि मैं तो पहले से तैयार हो चुका हूँ कहिये, कहां चलना है?

हमारी मुख्य प्रयोगशाला के कक्ष में। कहीं बाहर का कार्य क्रम नहीं है। हमारे सम्राट भी यहीं आने वाले हैं।

तो चलिए। देखें आपका सम्राट आखिर चाहता क्या है।

फौलाद उठकर बाहर निकलता है।

हमारा भला ही चाहेगा हमारा सम्राट।

...रहे थे। कई नि...
...यों पर कार्य कर रहे थे।

भला, इन लोगों से प्रतिस्पर्धा करो! सम्राट अपने सहयोगियों के साथ यहीं आयेंगे।

...ही देर में सम्राट आ पहुंचे सबने ...का अभिवादन किया।

सम्राट की जय!

सम्राट की जय।

सम्राट एक बड़ी कुर्सी पर बैठ जाता है। उससे कुछ दूर सामने ही फौलाद बैठा था।

तो तो धूरेशावासी, शायद तुम यह जानने के लिये बहुत बेचैन होगे कि हम तुमसे क्या चाहते हैं।

जाहिर है। उद्देश्य का पता तो चलना ही चाहिये।

सम्राट अपनी कुर्सी से खड़ा हो कर एक और रखे विशाल यन्त्र की ओर इशारा करता है जिसके ऊपर काँच के लैम्प के आकार का विशाल पारदर्शक घेरा था, जिसमें एक ओर दरवाजा था।

लड़ने से अच्छा है एक नमूना ही देख लो पहले। जाकर उस यन्त्र के गोल पारदर्शक घेरे में कुछ देर खड़े हो जाओ।

इसका क्या उद्देश्य है,

सम्राट ने फौलाद के कन्धे पर हाथ रखा।

तुम खुद ही समझ जाओगे जाओ तुम्हारा कुछ बिगड़ेगा नहीं विश्वास रखो! तुम हमारे मेहमान हो।

ठीक है, सम्राट।

फौलाद आकर उस यन्त्र के घेरे में जा खड़ा हुआ।

[illegible] लैम्प जैसे [illegible] दर्शक घेरे में खड़ा था पर [illegible] ध्यान बराबर जेब में बैठे [illegible] की ओर लगा हुआ था

[illegible] कुछ [illegible] में [illegible] प्राणायाम [illegible] कर सकता हूँ [illegible]

फौलाद के उस यंत्र के खड़ा होते ही यंत्र का दरवाजा बन्द कर दिया जाता है।

कुछ जीव उस यंत्र के एक ओर बनी टेबिल के बटनों पर कार्य करने लगते हैं।

जाने ये लोग क्या प्रयोग कर रहे हैं।

तभी फौलाद के आसपास एक तीव्र प्रकाश दमक उठा। और फिर बुझ गया।
उफ! कितनी तीव्र रोशनी
एक जीव यंत्र का दरवाजा खोलता है।
बाहर आ जाओ यूरेगावासी!
फौलाद यन्त्र से बाहर आकर स्वयं के पास आकर अपनी कुर्सी पर बैठ जाता है।

अब थोड़ी देर में परिणाम तुम्हारे सामने होगा। हमने तुम्हें इस यंत्र में कैद कर लिया एक तरह से।
क्या? पर... पर मैं तो यंत्र से बाहर आ सकता हूँ।
यह तुम्हारा भ्रम है यूरेगावासी! कुछ देर में तुम स्वयं ही जान जाओगे।
जीव, इस यंत्र में कुछ पदार्थ डाल रहे थे, कुछ यंत्रों के कल पुर्जों पर काम कर रहे थे।

तभी उस यंत्र से पहले की तरह तीव्र चमक उठी, और जब वह चमक गायब हुयी तो वहाँ फौलाद हूबहू शक्ल का पुतला यंत्र में खड़ा था।

फौलाद अपनी शक्ल का आदमी यन्त्र में खड़ा देख कर कुर्सी से उछल पड़ता है।

हैं. यह क्या!

यह तुम्हारी ड्यूप्लीकेट है न फौलाद? है न हूबहू?

एक जीव यंत्र का दरवाजा खोलता है तो वही बाहर आ जाती है

और फिर तो इसी तरह एक के बाद कई फौलाद यंत्र से निकल कर लाइन में खड़े होते जाते हैं।

"हम दरअसल अपने आदमियों को तन्दुरस्त बनाने में पूर्णतया असफल रहे हमारी नस्ल के लोग दुबले पतले ही पैदा होते रहे हमने शरीर के अंगों को बदलने तक में सफलता प्राप्त कर ली लेकिन बलवान शरीर बनाने में असफल ही रहे।

और आपके लोग किसी दूसरे ग्रह के हृष्ट पुष्ट आदमी की तलाश में रहने लगे।

हाँ, और तभी हमारी तरंगों वाली मशीन भी तैयार हो गयी थी, तो उसका प्रयोग भी सफल रहा।

तो क्या ये मेरे जैसे सभी कार्य करने में सक्षम हैं?

नहीं ये चल कर केवल आदेशों का पालन कर सकते हैं। कुछ दिनों की ट्रेनिंग के बाद ही ये मानसिक रूप से तैयार हो कर अपने आप कार्य करने लग जाएंगे।

इन्हें ट्रेनिंग कौन देगा ?

तुम्हीं दोगे, तभी तो ये तुम्हारे जैसा कार्य कर सकेंगे, तुम वीर और बलवान पुरुष हो।

नहीं। मैं यहां इतने दिन तक नहीं रुक सकता।

हमारे यंत्र को कोई छेड़ रहा है तरंगे चालू करो उसकी ओर।

तभी उस तरंग वाले यंत्र पर प्रकाश से संकेत पाने लगते हैं दो मानव उधर दौड़ते हैं।

[illegible] तरंगों का [illegible] टकराव [illegible] हो रहा है। यदि वे तरंगें वापस लौटेंगी तो [illegible] करने की तरंगें उनके पीछे से लेगी।

[illegible] ने [illegible] ने [illegible] ने पाकरण की तरंगों का [illegible] देख रहे थे उनके वैज्ञानिक [illegible] आ चुके थे।

[illegible] में लगी सुंदर [illegible] खाती [illegible] बताते हो [illegible]

जरूर ऐसा ही हो रहा है अब हमारी [illegible] रणें उनके गृह तक [illegible] आयेंगी वे संदेश प्रसारित करता है।

मुझे भी कुछ काम बताइए, मैं आपका हाथ बंटाता हूँ।

[illegible] जरूर [illegible] अजीब [illegible] भी अपने [illegible] रण पर [illegible] ने लगे [illegible] ने दे। ने [illegible] परेशान थे।

हमारी किरणें उनके इस समय चल रहे माध्यम को भेद नहीं पा रही हैं। जाने क्या गड़बड़ है।

उन्होंने अपने यंत्रों से हमारी तरंगों का रास्ता रोक लिया है तरंगे वापस करो!

और आकाश से घिरघिर की आवाजें आने लगती हैं साथ ही फौलाद की घड़ी में लगा ट्रान्समीटर थरथराने लगता है।

है। मेरे ट्रांसमीटर पर संकेत !! तो क्या अंकल जॉन ने मुझे ढूंढ लिया।

अंकल यह बड़ा विचित्र तथा विज्ञान से परे ग्रह है यहाँ के लोग अच्छे हैं या बुरे, अभी पता नहीं।

[illegible] उनके उद्देश्य [illegible] सम्पर्क [illegible]

फौलाद अपना ट्रांसमीटर सैट करता है। सम्राट अचंभे से देखता है।

यह तुम क्या कर रहे हो ?

अपने बॉस से बात।

तेल दे ट्रांसमीटर बंद कर देता है।

क्या तुम्हारा यूरेगा से सम्पर्क हुआ था

हाँ, सम्राट मैं वापस जाना चाहता हूं।

तभी फौलाद बात करता है :-

हलो.... हलो.... अंकल ! मैं फौलाद हूँ। एक अजान ग्रह पर।

घड़ी से डॉ. जान :-

अब मैं सब पता कर लूंगा। तुम्हारी आवाज सुनली यही काफी है।

तुम्हें वापस भेजने के लिये हमारा यान प्रयोगशाला की शरण पर तैयार है पर पहले अपने हमशक्लों को हटाओ, तभी जा पाओगे।

मैं जैसा कर सकता हूँ, ये नहीं कर सकते। क्योंकि ये नकली हैं नष्ट हो जायेंगे

जब यह उपकरण है, ये नष्ट नहीं हो सकते। तुम जैसा करोगे ये वैसी नकल करने में सक्षम हैं।
यदि ये मेरे जैसा कार्य नहीं कर पाये तो इन्हें नष्ट करना होगा!

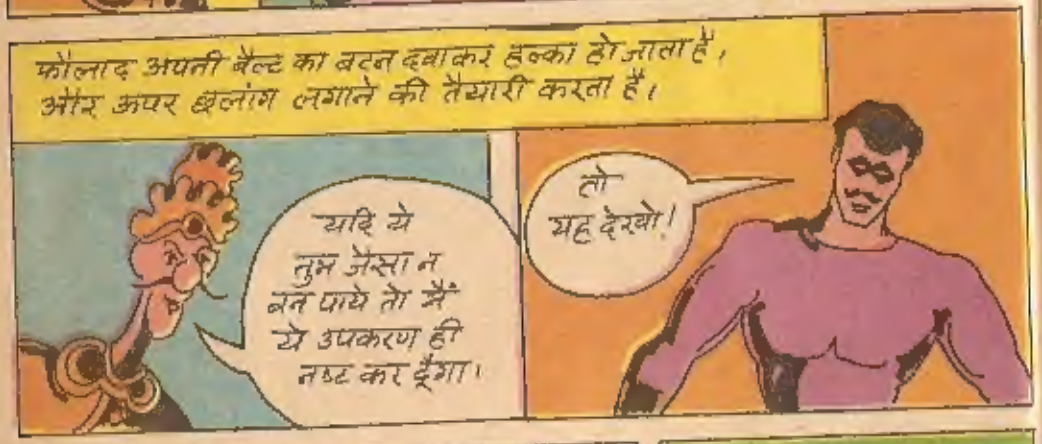
फौलाद अपनी बैल्ट का बटन दबाकर हल्का हो जाता है, और ऊपर छलांग लगाने की तैयारी करता है।
यदि ये तुम जैसा न बन पाये तो मैं ये उपकरण ही नष्ट कर दूँगा।
तो यह देखो!

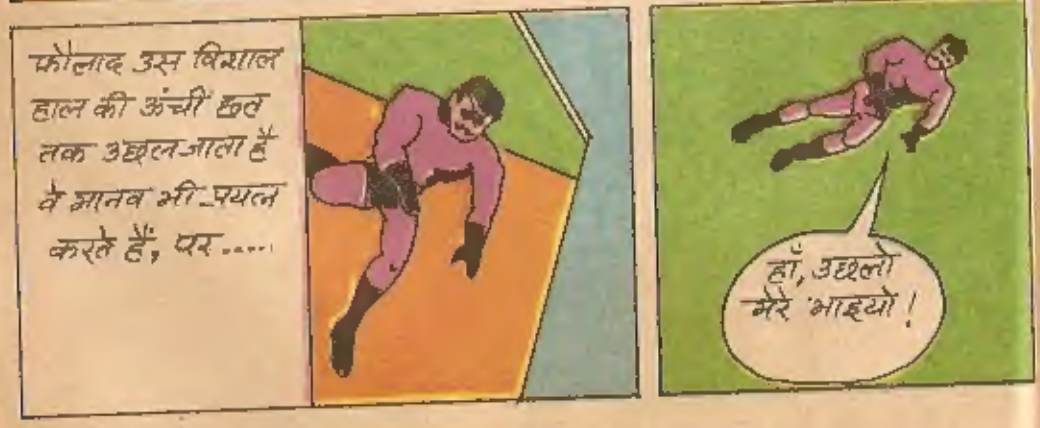
फौलाद उस विशाल हाल की ऊंची छत तक उछल जाता है वे मानव भी प्रयत्न करते हैं, पर.....
हाँ, उछलो मेरे भाइयो!

फौलाद की सभी डिमियाँ उछलती रहीं पर पांच-छः फुट से ज्यादा कोई न उछल पाता।

फौलाद हवा में तरह तरह की कलाबाजियाँ खा रहा था। सम्राट भौंचक्का सा उसे देख रहा था।
ओह! अविश्वसनीय! पर.... ये ऐसा क्यों नहीं कर पा रहे हैं?

फौलाद अपनी शक्ति चौगुनी बढ़ाने वाला बटन दबाता है।

लो सम्राट! एक और नमूना।

फौलाद उन्हें उठा उठा कर फेंकता है...

पर वे ऐसा नहीं कर पाते।

देखो सम्राट! ये मेरे जैसे हो ही नहीं सकते। और एक उदाहरण दूँगा। अपने यहाँ की मिट्टी लाओ!

मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा!

एक जीव एक बर्तन में कुछ मिट्टी ला कर फौलाद को देता है।

अब इस मिट्टी का कमाल देखो!

वह एक कोने में जा कर खड़ा हो जाता है। और जेब से धीरे से लम्बू को बाहर निकाल लेता है।

और वह लम्बू को बाँह में लटकाये सबको दिखाता है।

यह देखो बौना आदमी तैयार!

अरे वाह! तुमने बिना उपकरण के यह कैसे कर लिया।

फौलाद लम्बू को फर्श पर छोड़ देता है लम्बू डांस करने लगता है।

सम्राट, विज्ञान से ज्यादा हममें आध्यात्मिक शक्ति है। हम लोग किसी भी उन्नत ग्रह से कम नहीं!

सचमुच तुम्हारा कार्य विलक्षण है।

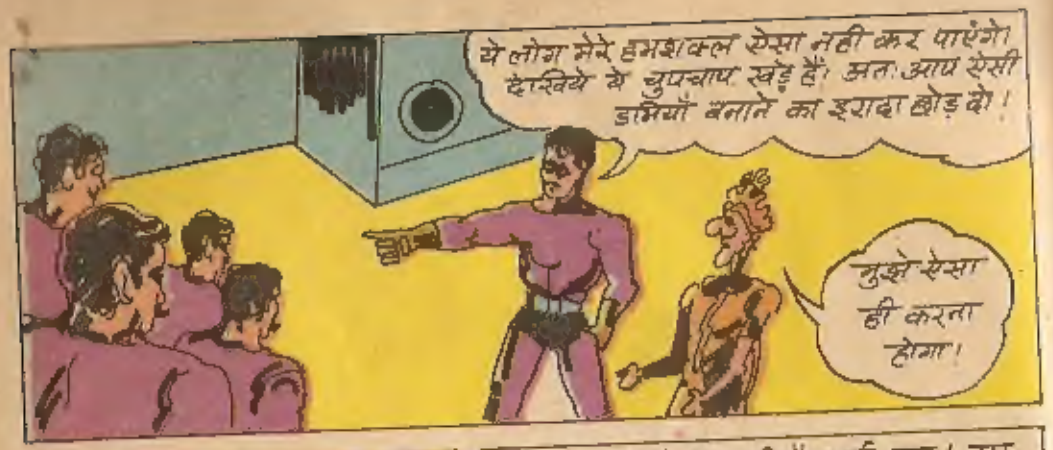
ये लोग मेरे हमशक्ल जैसा नहीं कर पाएंगे। इसलिये ये चुपचाप खड़े हैं। अतः आप ऐसी डमियाँ बनाने का इरादा छोड़ दो!
मुझे ऐसा ही करना होगा।

फौलाद लम्बू को उठा कर जेब में डाल लेता है।
हलो, सम्राट!

अरे यह तो बोलता भी है। भई वाह! तुम यूरेगावासी महान हो। हमें अभी बहुत कुछ सीखना है विज्ञान में। मैं इस उपकरण को नष्ट कर दूंगा।

नहीं, सम्राट! ऐसे.....

धड़ाम!!

और मंत्र के साथ साथ फौलाद के सारे हमशक्ल भी नष्ट हो गये।
ओह! आपने इतना कीमती यंत्र तोड़ डाला!
यह असफल रहा और असफल और बेकार चीजें मेरे यहाँ नष्ट कर दी जाती हैं।

सम्राट! मुझे वापस भेज दिया जाय।
ठीक है, मैं तुम्हें तरंगों के माध्यम से ही वापस भेजने का प्रबन्ध करता हूँ। और अब तुम्हारे यूरेगा से कोई अपहरण नहीं होगा। हम जैसे भी हैं ठीक हैं।

और उसी हॉल में सिनेमा के पर्दे पर चित्र दिखाया जा रहा था। हीरो - हीरोइन चान्दनी रात में आकाश को निहार रहे थे।

कितनी सुहानी रात है। तुम कब डोला लेकर आओगे ?

मैं चांद से उतर आऊँगा और उड़न खटोले में तुम्हें बिठाकर ले जाऊँगा।

वे ख्वाब में देखते हैं कि सचमुच एक उड़न खटोला आकाश से उतर रहा है।

पर वह उड़न खटोला धीरे धीरे परदे के बिल्कुल करीब आ जाता है।

और देखते ही देखते परदे से बाहर निकल आता है। दर्शक लोग घबरा जाते हैं। तभी उसमें से फौलाद बाहर निकलता है।

अरे ! यह तो वही वीर पुरुष है जो घोड़े पर बैठ कर गायब हो गया था।

घबराओ मत भाइयो ! मैं जैसे गया था वैसे ही वापस आ गया हूँ। पर यह मत पूछना कि मैं कहाँ गया था।

और दूसरे ही दिन फौलाद और लम्बू का धूम धड़ाके से स्वागत हो रहा था। डॉ. जॉन भी फौलाद के पास थे।

समाप्त